देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल हुआ लॉन्च

इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है

बच्चों, किसानों और भविष्य की रक्षा के लिए बने ढाल

हैदराबाद, 27 नवंबर. काउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कंपनी इंद्रजाल ड्रोन डिफेंस ने देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल लॉन्च किया जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा. यह पूरी तरह से मोबाइल एआई से लैस काउंटर ड्रोन सिस्टम है जो ड्रोन हमलों से बचाव के देश के तौर-तरीकों को बदलने की क्षमता रखता है.

आज दुनिया में युद्ध के दौरान बढ़ते ड्रोन के इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है. सीमा पार से आतंकवादी संगठन भी ड्रोन का इस्तेमाल हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए करते हैं. कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मौजूदा समय में एंटी-ड्रोन उपकरण वाहनों पर अलग से लगाये जाते हैं जो तभी काम करते हैं जब वाहन अपनी जगह पर स्थिर हो. वहीं, इंद्रजाल का एडीपीवी चलते हुए भी ड्रोन का पता लगा सकता है, एआई की मदद से खतरे का आंकलन कर सकता है और तुरंत उसे मारकर गिरा सकता है.

आंतरिक सुरक्षा मजबूत

एडीपीवी की लॉन्चिंग के मौके पर सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद लेफिटिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडेय (से.नि.) ने कहा कि एकसुरक्षित राष्ट्र, जो अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क के साये से मुक्त हो, देश के युवाओं का अधिकार है. एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल जैसी प्रौद्योगिकियां सिर्फ एक मशीन नहीं हैं, ये हमारे बच्चों, किसानों और भविष्य की रक्षा के लिए बने ढाल हैं.

इसका इस्तेमाल सीमा पर सड़कों, नहरों, खेतों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों और शहरी क्षेत्रों में भी किया जा सकता है.

स्थिर हुआ रुपया

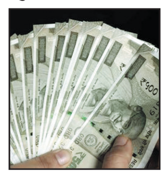

मुंबई, 27 नवंबर. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया बुधवार को 89.2275 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ. भारतीय मुद्रा मंगलवार को 6.75 पैसे टूटकर कारोबार की समाप्ति पर 89.2275 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था. रुपया आज 1.25 पैसे की गिरावट में 89.24 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में रहा. बीच कारोबार में यह ऊपर 89.18 रुपये और नीचे 89.28 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंत में गत दिवस के स्तर पर ही बंद हुआ. घरेलू शेयर बाजारों में रही एक प्रतिशत से अधिक की तेजी से रुपये को समर्थन मिला. वहीं, दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही तेजी ने रुपये पर दबाव बनाया.

वेरका स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

वेरका घी, खीर, रबड़ी, दही और लस्सी को मिली जबरदस्त सराहना

नई दिल्ली, 27 नवबंर. भारत मंडपम, प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में वेरका द्वारा लगाया गया आकर्षक स्टॉल उपभोक्ताओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. वेरका दिल्ली कार्यालय के प्रबंधन में लगाए गए इस स्टॉल पर कंपनी के प्रमुख डेयरी उत्पाद वेरका घी, वेरका खीर, वेरका रबड़ी, वेरका दही और वेरका लस्सी को आगंतुकों से अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिल रही है.

स्टॉल पर पहुंचे आगंतुकों ने वेरका घी की शुद्धता और पारंपरिक स्वाद की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह भारतीय पारंपरिक व्यंजन-निर्माण की असली पहचान को बनाए रखता है. वहीं, तैयार-खाने

योग्य वेरका खीर और रबड़ी अपनी गाढ़ी बनावट, शानदार स्वाद और उच्च गुणवत्ता के चलते लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं.

वेरका दिल्ली कार्यालय के इंचार्ज ने बताया कि, आईआईटीएफ जैसे बड़े मंच पर वेरका अपने प्रमुख उत्पादों की शुद्धता, स्वाद और गुणवत्ता को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँचा रहा है. वेरका घी, खीर, रबड़ी, दही और लस्सी हमारे प्रमुख उत्पाद हैं, जिन्हें पूरे उत्तर भारत में अपार विश्वास प्राप्त है. मेले में मिल रही प्रतिक्रिया हमारे उत्पादन और सेवा गुणवत्ता के प्रति उपभोक्ताओं के भरोसे को और मजबूत करती है. आईआईटीएफ 2025 में वेरका की भागीदारी न केवल ब्रांड की छवि को मजबूत करती है, बल्कि उपभोक्ताओं के साथ सीधे संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करती है.

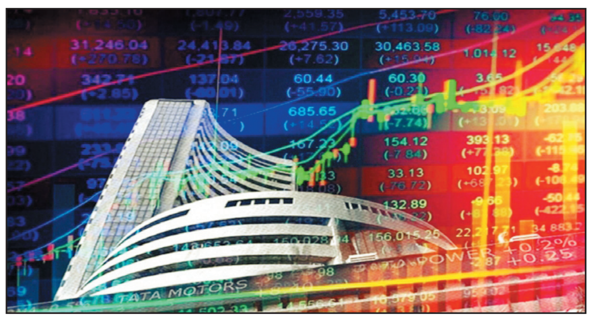

सेंसेक्स ने पहली बार 86,000 अंक को छुआ

निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब

ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था

मुंबई, 27 नवंबर. आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा.

बाजार की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था. अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच कारोबार में 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंच गया, अंत में यह 10.25 अंक यानी 0.04 प्रतिशत ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ. दोनों प्रमुख सूचकांकों के लिए ये दूसरे सबसे ऊंचे बंद स्तर हैं. इनका ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था. मझौली कंपनियों के सूचकांकों में भी तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों से सूचकांकों में जबरदस्त गिरावट देखी गयी. मीडिया, आईटी, वित्तीय कंपनियों और निजी बैंकों के समूहों से सूचकांक हरे निशान में रहे. ऑटो, सार्वजनिक बैंकों, तेल एवं गैस, रियलिटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों के सूचकांक लाल निशान में रहे.

सेंसेक्स की बढ़त में आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, एलएंडटी और हिंदुस्तान यूनीलिवर का योगदान सबसे अधिक रहा. भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही.

वेस्टर्न कोलफील्ड्स का योगदान महत्वपूर्ण : दुबे

नागपुर,27 नवम्बर. माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे 27 नवंबर 2025 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के नागपुर मुख्यालय पहुंचे, जहाँ उन्होंने ई-वाहन फास्ट चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया तथा इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का निरीक्षण किया. इसके बाद वेकोलि की समीक्षा बैठक आयोजित की गई.

बैठक की शुरुआत वेकोलि की नई वेबसाइट और चंद्रपुर क्षेत्र के अमृत फार्मेसी के शुभारंभ से हुई. समीक्षा में उन्होंने कोयला उत्पादन, उत्पादकता, प्रेषण, कल्याण एवं सीएसआर गतिविधियों की प्रगति जानी. इस दौरान सीएमडी जेपी द्विवेदी ने मौजूदा उत्पादन, नई पहलें तथा

वर्षांत तक लक्ष्य प्राप्ति की तैयारी का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया.

अपने संबोधन में मंत्री दुबे ने कहा कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वेकोलि का वार्षिक लक्ष्य पूरा करना अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने देश को कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए वर्तमान खनन कार्य को मजबूत करने और नए प्रोजेक्ट शुरू करने पर जोर दिया तथा मंत्रालय की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया. समीक्षा के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र, इंदौरा में सार्वजनिक क्षेत्र के पहले हथियार प्रशिक्षण केंद्र शास्त्रर का उद्घाटन किया और सुरक्षा कर्मियों को दायित्वों के प्रति सतर्क व निपुण रहने की प्रेरणा दी.

महंगाई और जीडीपी पर पहली प्री-रिलीज कार्यशाला

मुंबई, 27 नवंबर. सकल घरेलू उत्पाद, उपभोक्त मूल्य सूचकांक और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार वर्ष में किये जाने वाले परिवर्तन को सार्वजनिक रूप से जारी किये जाने से पहले इस पर परामर्श के लिए पहली कार्यशाला का आयोजन किया गया.

वर्तमान में जीडीपी, सीपीआई और आईआईपी की वर्तमान श्रंखला 2011-12 के मूल्यों को आधार मान कर शुरू की गयी है. कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार नियमित रूप से जारी किये जाने वाले इन सूचकांकों के संशोधित आधार वर्ष पर आधारित नये आंकड़ों की श्रृंखला अगले वर्ष जारी की जानी है. इस कार्यशला का उद्येश्य उससे पहले प्रस्तावित संशोधनों के बारे में चुनिंदा हितधारकों को उसकी जानकारी देना था. इस कार्यशाला में अंतरराष्ट्रीय संगठनों, भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई जाने-माने अर्थशास्त्रियों, वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों, शिक्षा क्षेत्र के लोग, सांख्यिकी विद् सहित लगभग 160 लोगों ने भाग लिया.

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के चेयरमैन प्रो. एस. महेंद्र देव, रिजर्व बैंक की डिप्टी गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ. सौरभ गर्ग, और महानिदेशक ने एन. के. संतोषी ने संबोधित किया.

डीआरएम ने मेंटेनेस शेड का किया निरीक्षण

अहमदाबाद, 27 नवबंर. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री वेदप्रकाश ने गांधीधाम स्थित अत्याधुनिक गवरमेंट डीजल लोको मेंटेनेंस शेड का निरीक्षण किया. मिठीरौहर के निकट स्थित यह शेट डीजल लोको मेंटेनेंस शेड का निरीक्षण किया.

मिठीरौहर के निकट स्थित यह शेड भारतीय रेल के सबसे महत्वपूर्ण मेंटेनेंस केंद्रों में से एक है, जहाँ उच्च क्षमता वाले 250 लोकोमोटिव का विश्वस्तरीय रखरखाव किया जाता है. निरीक्षण के दौरान डीआरएम श्री वेदप्रकाश

ने शेड की सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली, साफ-सुथरे वातावरण, उन्नत तकनीकी सुविधाओं तथा कर्मचारी-क्षमता की सराहना की. उन्होंने कहा कि यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया का एकमात्र ऐसा शेड है, जहाँ इतनी योजना, गुणवत्ता और दक्षता के साथ हाई हॉर्सपावर इंजनों का मेंटेनेंस किया जाता है. यहाँ न ऑयल लीकेज है और न ही किसी प्रकार की गंदगी यह वास्तव में भारतीय रेल के लिए दिशा-निर्देशक मॉडल है.

क्षमता और अत्याधुनिक व्यवस्था इस शेड की क्षमता कुल 250 लोकोमोटिव (213 लोको - 4500 - 37 लोको - 6000 के नियमित मेंटेनेंस की है. लोकोमोटिव यहां से निकलकर पूरे देश में 95,000 किमी तक बिना किसी प्रमुख समस्या के लगातार संचालित रहते हैं.

नुक्कड़ नाटक से आयकर विभाग ने लोगों को बनाया जागरूक

नयी दिल्ली 27 नवंबर.आयकर विभाग ने यहां भारत मंडपम में नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी के माध्य से लोगों को ध्यान आकर्षित कर उनके मन में उठने वाले सवालों का समाधान करने का काम किया.

प्रगति मैदान में आयोजित 44वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला में स्थापित आयकर विभाग के पवेलियन में गुरुवार को काफी भीड़ देखने को मिली. यहां पर कलाकार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे और उन्हें विभाग की ओर से शुरू की गयी विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दे रहे थे. साथ ही उन्हें आयकर भरने से होने वाले लाभों के बारे में बता रहे थे. आयकर विभाग के पवेलियन में चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जहां पर विभाग के कर्मचारी नन्हें-नन्हें बच्चों को चित्रकला के माध्यम से जागरुक बनाने की कोशिश कर रहे.

हर हफ्ते अपडेट होगा आपका क्रेडिट स्कोर

नई दिल्ली, 27 नवबंर. भारतीय रिजर्व बैंक ने देश की ऋण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने और ग्राहकों को अधिक सटीक क्रेडिट जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है.

अब बैंक, एनबीएफसी और अन्य ऋणदाता संस्थान ग्राहकों के क्रेडिट डेटा को महीने में एक बार या पखवाड़े में नहीं, बल्कि हर सप्ताह क्रेडिट सूचना कंपनियों को भेजेंगे. नए मसौदे के अनुसार 7, 14, 21, 28 तारीख और महीने के अंतिम दिन की रिपोर्टिंग अनिवार्य होगी.

समाचार विशेष

कौन बनेगा बिहार भाजपा का अगला मुखिया?

दिलीप जायसवाल के मंत्री बनते ही रेस शुरू

पटना. जब से बिहार में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल मंत्री बने हैं, सोशल मीडिया पर अगले या नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं. आमतौर पर एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत पर चलने वाली बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लगभग तीन साल से टलता आ रहा है.

मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खत्म होने वाला था, लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए उन्हें जो एक्सटेंशन मिला था उसे किसी भी तरह से बढ़ाया जा रहा है. इसलिए बीजेपी के बिहार में नया प्रदेश अध्यक्ष चुनने में किसी भी तरह की जल्दबाजी करेगी इसकी संभावना बहुत कम ही है.

बिहार के सियासी हलकों में चढ़ा पारा- इसके बावजूद सियासी गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं. रेस में सबसे आगे पूर्व सीएम जगन्नाथ मिश्रा के बेटे नीतीश मिश्रा हैं, जिन्हें इस बार मंत्री नहीं बनाया गया है. नीतीश कैबिनेट के 26 मंत्रियों में मंगल पांडे अकेले ब्राह्मण हैं. जेडीयू से पहली बार मंत्री बने नीतीश मिश्रा 2015 में बीजेपी में शामिल हो गए थे. पिछली सरकार में वे इंडस्ट्री मिनिस्टर थे, यह पोर्टफोलियो अब दिलीप जायसवाल को दिया गया है.

नीतीश कैबिनेट में क्यों नहीं मिली जगह?- अपने पिता जगन्नाथ मिश्रा की सीट झंझारपुर से पांचवीं बार जीतने वाले नीतीश मिश्रा को लेकर लोग कह रहे हैं कि पार्टी ने उनके बारे में कुछ बड़ा सोचा गया है इसीलिए उन्हें कैबिनेट से बाहर रखा गया है.

संजीव चौरसिया पर दांव ?

पटना जिले की दीघा सीट से लगातार तीसरी बार विधायक बने संजीव चौरसिया को भी अगले बीजेपी प्रदेश प्रेसिडेंट के लिए चुना जा रहा है. संजीव चौरसिया का परिवार आरएसएस से जुड़ा रहा है और उनके पिता जनसंघ के ज़माने से ही बीजेपी के साथ हैं. उनका बिज़नेस परिवार पार्टी के संघर्षों का हिस्सा रहा है. संजीव के पिता गंगा प्रसाद 1980 में बीजेपी बनने के बाद बिहार में पार्टी के कोषाध्यक्ष बने थे.

पीके का तमिलनाडु अभियान शुरू

चेन्नई. प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी बुरी तरह से बिहार विधानसभा का चुनाव हारी है. उसे ए भी सीट नहीं मिली और सिर्फ साढ़े तीन फीसदी वोट मिले हैं. दो तीन को छोड़ कर लगभग सभी की जमानत जब्त हो गई. उसके बाद प्रशांत किशोर ने भितिहरवा के गांधी आश्रम में एक दिन का उपवास किया और लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया.

अब कहा जा रहा है कि वे एक बार फिर चुनाव प्रबंधन वाले काम में सक्रिय हो गए हैं. उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के लिए प्रचार अभियान शुरू किया है. गौरतलब है कि बिहार में पार्टी

बनाने के दौरान ही उन्होंने विजय के चुनाव प्रबंधन का जिम्मा स्वीकार किया था. बाद में बिहार के अभियान में खर्च के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा था कि वे एक दो राज्य में चुनाव प्रबंधन का काम कर लेंगे तो उनके पर्याप्त पैसे मिल जाएंगे.

बहरहाल, इधर बिहार का चुनाव खत्म हुआ और उधर तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके का अभियान शुरू हो गया. करूर में भगदड़ के बाद लो प्रोफाइल चल रहे विजय ने एक बड़ी रैली की है, जिसमें मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को निशाना बनाया है. विजय ने स्टालिन की सरकार को सिंडिकेट ऑफ डकैत कहा है.

राजनीतिक खिचड़ी से मतदाताओं में उलझन

भाजपा-कांग्रेस-आघाडी की त्रिकोणी फाइट, बागियों पर भी नजर

मुंबई. सावनेर में तीनों ही दलों के उम्मीदवार जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं, लेकिन पार्टी बदलने की तेज़ रफ्तार और नेताओं के लगातार 'आयाराम-गयाराम' वाले रुख ने मतदाताओं को भारी उलझन में डाल दिया है. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस बार स्थिति इतनी धुंधली है कि कई जगह यह समझना मुश्किल हो गया है कि कौन-सा प्रत्याशी किस पार्टी से चुनाव लड़ रहा है.

राजनीतिक खिचड़ी इतनी गाढ़ी हो चुकी है कि मतदाता स्वयं भ्रमित है. कल जिस नेता ने एक दल का झंडा उठाया था, आज वह दूसरे मंच पर दिखाई दे रहा है चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशी जनता को अपनी उपलब्धियां और वादे गिनाकर वोट मांग रहे हैं. लेकिन बार-बार दल बदलने का सिलसिला मतदाताओं के भरोसे को कमजोर कर रहा है.

अंतिम समय तक रहेगा रोमांच- नागरिकों का कहना है कि इतनी ज्यादा अदल-बदल के बाद असली प्रतिबद्धता समझना मुश्किल हो गया है. त्रिकोणी मुकाबले की इस परिस्थिति में अंतिम समय तक रोमांच बना रहेगा. अब देखना यह है कि जनता किस पार्टी को असली भरोसा देती है और इस राजनीतिक उलझन में कौन प्रत्याशी जीत की राह बनाता है.

आघाड़ी से दो दलों के वोटों का होगा ध्रुवीकरण- सावनेर नप चुनाव में अब तक भाजपा से मित्रपक्ष के तौर पर चुनाव लड़कर आघाड़ी भी सत्ता में रहती थी और छोटा भाई बड़ा भाई की यह दोस्ती उस समय टूटी ज़ब आघाड़ी के प्रस्ताव को भाजपा ने एकदम हल्के में लिया.

विशेष तीन मोर्चों पर घिरा लालू परिवार, किस पर ज्यादा संकट?

घर का झगड़ा, राजनीतिक हार और कानूनी संकटद्ध

पटना. लालू प्रसाद यादव का परिवार इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है. चुनावी हार के सदमे के बीच घर के अंदर भी बड़ा विवाद खुलकर सामने आ गया है. रोहिणी आचार्य के गंभीर आरोपों ने पार्टी से लेकर परिवार तक हलचल बढ़ा दी है.

इसके साथ ही 'लैंड फॉर जॉब' केस ने कानूनी खतरा भी और गहरा कर दिया है. राजद की करारी चुनावी हार का दर्द अभी कम भी नहीं हुआ था कि परिवार के अंदर बड़ा तूफान खड़ा हो गया. रोहिणी आचार्य के आरोपों ने साफ कर दिया कि लालू-

राबड़ी परिवार के भीतर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है. जानकारों के मुताबिक यह संकट एकतरफा नहीं, बल्कि राजनीतिक, पारिवारिक और कानूनी तीनों मोर्चों से एक साथ आकर परिवार को भारी दबाव में डाल रहा है.

रोहिणी आचार्य ने खुलकर कहा कि उन्हें राबड़ी आवास से भगा दिया गया, चप्पल दिखाई गई, गंदी गालियां दी गईं. जैसे ही रोहिणी वहां से निकलीं, उनकी तीन बहनें भी वहां से चली गईं. हैरानी यह कि लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव किसी ने भी रोहिणी के पक्ष में एक शब्द नहीं कहा. यह चुप्पी खुद बताती है कि पारिवारिक तनाव अब चरम पर पहुंच चुका है.

2025 की हार के बाद उठे सवाल- बिहार चुनाव 2025 में राजद सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गई. तेजस्वी यादव, जिन्हें पहले भविष्य का मुख्यमंत्री माना जा रहा था, अब कमजोर विपक्ष की भूमिका में हैं. पार्टी के भीतर तेजस्वी के नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं और यह सवाल परिवार के भीतर से ही उठ रहे हैं. तेजप्रताप की नाराजगी, मीसा और तेजस्वी के बीच पुरानी खटास और अब रोहिणी का विस्फोट इन सबने पार्टी की साख को बड़ा नुकसान पहुंचाया है.

विरासत की लड़ाई

लालू परिवार के नौ बच्चों में मीसा, रोहिणी, तेजस्वी और तेजप्रताप चार सक्रिय राजनीति में हैं. सभी की अपनी अलग महत्वाकांक्षा है और यही संघर्ष की जड़ मानी जा रही है. तेजप्रताप पहले ही कई बार परिवार पर नाराजगी जता चुके हैं. सूत्रों के मुताबिक तेजस्वी की पत्नी राजश्री भी टिकट और परिवार की रणनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है.